Run by:*MaaRewati Educational and Welfare Society*

## *MAA REWATI COLLEGE OF EDUCATION*

(Recognised by: N.C.T.E. & Affiliated to R.D.V.V. Jabalpur) Jantipur Road, BadiKhairi, Mandla (M.P.)-481661 Phone: 0764-2291912, Website: www.mrcedu.com Email: mrcedu1@gmail.com

# DVV- 2.4.2

**Students go through a set of activities as preparatory to school-based practice teaching and internship. Pre practice teaching/ internship orientation/ training encompasses certain significant skills and competencies such as**

1. **Formulating learning objectives**
2. **Content mapping**
3. **Lesson planning /Individualized Education Plans (IEP)**
4. **Identifying varied student abilities**
5. **Dealing with student diversity in classrooms**
6. **Visualising differential learning resources**
7. **Addressing inclusiveness**
8. **Assessing student learning**
9. **Mobilizing relevant and varied learning resources**
10. **Evolving ICT based learning resources**
11. **Exposure to Braille/ Indian languages/Community engagement**

## DVV Query

- **Reports and photographs/video of the activities**
- **Attendance sheet of the workshop/activities with seal and signature of the principal.**
- **Documentary evidence in support of each selected activity.**

## Institution response

- **All the documents are proper attached**

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

# Reports

**Student go through a set of activities as preparatory to school-based practice teaching and internship free prestige teaching internship orientation training eco certain significant skin and competencies such as**

## 1. Formulating learning objective

**Formulating teaching objectives, classifying them, deciding objectives and instructions as per academic standards of the lesson. Conducting all the methodological classes in components.**

**Mythological stories provide functional knowledge in preparing teacher's sermons to students.**

**Methodology Lecture training trains students to write down the achieved objectives and helps in planning the readings before going for the internship.**

**Student teachers assist in selecting and organizing course materials, scheduling assessments and learning dynamics, and structuring lessons.**

Principal
Maa Rewati College of Education
Mandla (M.P.)

Principal
Maa Rewati College of Education
Mandla (M.P.)

# 1. Content mapping

Academic standards set by NCERT are the outcome of the learning behaviour expected from each student at the end of the academic year. Students are motivated to achieve academic standards by undertaking the subject. Matching the subject matter with the school text book. For this, annual plan unit plan is prepared, posters and charts are used for pictorial description as per the need. The entire strategy is implemented to achieve the goal by developing a planning structure. The presentation is done by developing topics and selecting teaching material using appropriate technology. The student teacher is trained to divide the lesson into lesson plans. The lesson is taught in such a way that the student can understand the lesson clearly. Teaching material and maps are prepared by teachers so that students can understand the concepts of the lesson clearly.

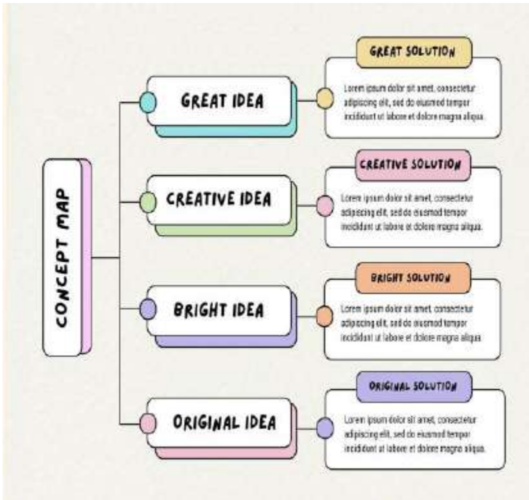

Principal
Maa Rewati College of Education
Mandla (M.P.)

1. Lesson Planning/Individualised Educational Plans(IEP): -

**Apart from Hurbtian plans, the college follows different individual models of lesson plans like sequential instructional constructivist model, observation model, ICT model, aesthetic and value-based model and language model of writing lesson plan etc.**

**In the above learning experience, students are prepared to guide themselves as different learners.**

**Students are provided with the opportunity to use ICT in the classroom to demonstrate important facts like drama, art, Crafts etc. by using which students are given the opportunity to use new ideas.**

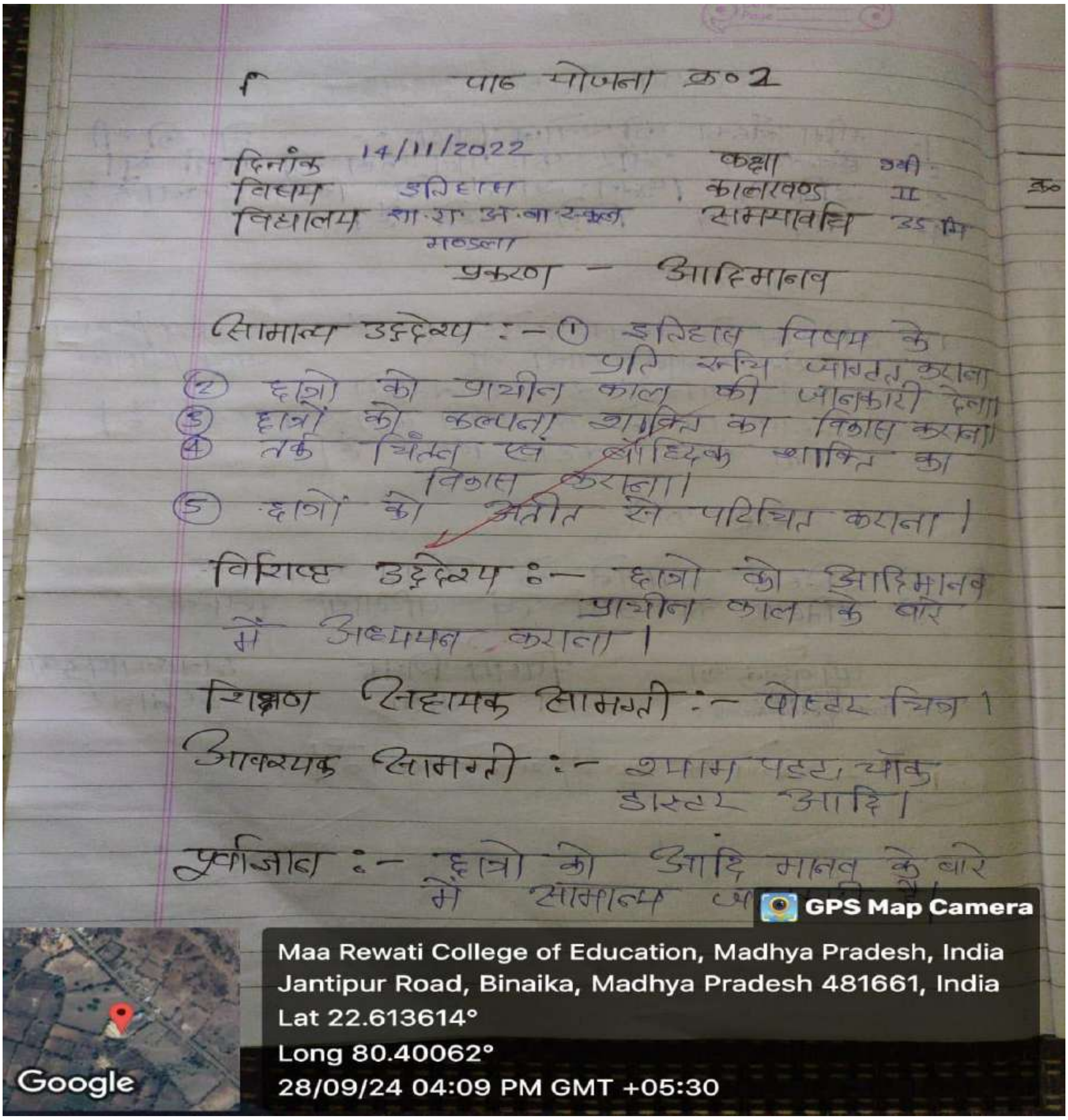
पाठ योजना क्र० 2

दिनांक 14/11/2022 कक्षा 7वी
विषय इतिहास कालखण्ड II
विद्यालय शा.उ.मा. अ.बा. स्कूल मण्डला समयावधि 35 मि

प्रकरण – आदिमानव

सामान्य उद्देश्य :– ① इतिहास विषय के प्रति रुचि जाग्रत कराना
② छात्रों को प्राचीन काल की जानकारी देना
③ छात्रों की कल्पना शक्ति का विकास कराना
④ तर्क चिंतन एवं बौद्धिक शक्ति का विकास कराना।
⑤ छात्रों को अतीत से परिचित कराना।

विशिष्ट उद्देश्य :– छात्रों को आदिमानव प्राचीन काल के बारे में अध्ययन कराना।

शिक्षण सहायक सामग्री :– पोस्टर चित्र।

आवश्यक सामग्री :– श्याम पट्ट, चॉक डस्टर आदि।

पूर्वज्ञान :– छात्रों को आदि मानव के बारे में सामान्य ...



Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

प्रस्तावना प्रश्न

| क्र० | छात्राध्यापक क्रियाएँ | छात्र क्रियाएँ |
|---|---|---|
| 1. | आदि मानव का निवास स्थान कहाँ था? | जंगलों में |
| 2. | आदिमानव का भोजन क्या था? | फल-फूल, कंदमूल और कच्चा मांस |
| 3. | वनों में क्या क्या पाया जाता है? | पेड़, पौधा, पत्थर, मिट्टी (जानवर) शेर, बंदर, हिरण, खरगोश (पक्षी) मोर कबूतर तोता आदि। |
| 4. | आदि मानव से आप क्या समझते हैं? | समस्यात्मक प्रश्न |

उद्देश्य कथन :- छात्रों आज हम आदिमानव के बारे में अध्ययन करेंगे।

शिक्षण विधि :- प्रश्नोत्तर विधि, व्याख्यान विधि, श्याम पट्ट विधि

GPS Map Camera

Maa Rewati College of Education, Madhya Pradesh, India
Jantipur Road, Binaika, Madhya Pradesh 481661, India
Lat 22.613614°
Long 80.40062°
28/09/24 04:11 PM GMT +05:30

Principal
Maa Rewati College of Education
Mandla (M.P.)

# प्रस्तुतीकरण

| शिक्षण बिन्दु | छात्राध्यापक क्रियाएँ | छात्र क्रियाएँ | श्यामपट्ट कार्य |
|---|---|---|---|
| प्रस्तावना | आज हम आदिमानव के जीवन के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे। | छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे | आदिमानव |
| आदि मानव का अर्थ | आदि आधुनिक खोजों से ज्ञात हुआ है कि लाखों वर्ष पूर्व इस पृथ्वी पर मानव का जन्म हुआ था। पहले मानव 4 पैरों पर चलता था और जंगलों में निवास करते थे वह कपड़ा नहीं पहनता था तथा भोजन में फल-फूल कच्चा मांस खाता था इसे ही आदि मानव कहा जाता है। | | |
| आदि मानव का परिवर्तन | पहले आदिमानव गुफाओं में रहते थे तथा पेड़ पर चढ़कर रहते थे। धीरे धीरे आदिमानव गुफाओं में रहना प्रारंभ कर दिया आदि मानव पहले 4 पैरों से चलते थे परन्तु बाद [illegible] | छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे | |

GPS Map Camera

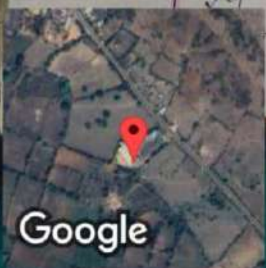


Maa Rewati College of Education, Madhya Pradesh, India
Jantipur Road, Binaika, Madhya Pradesh 481661, India
Lat 22.613614°
Long 80.40062°
28/09/24 04:13 PM GMT +05:30

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

| | | | |
|---|---|---|---|
| | प्रारंभ कर दिया। 2 पैर चलने के लिए और 2 हाथों का प्रयोग पकड़ने उठाने फल तोड़ने आदि के लिए करने लगे। इस प्रकार आदि मानव का शारीरिक परिवर्तन के साथ साथ सोचने समझने की शक्ति का भी तेजी से विकास होने लगा। | | |
| पाषाण काल | आदिमानव पत्थरों का उपयोग जानवरों के शिकार करने मांस काटने, लकड़ी काटने कन्दमूल खोदने आदि के लिए करता था। पत्थरों को पाषाण भी कहा जाता है। इसलिए इसे पाषाण युग कहा | छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे | |
| पाषाण काल के भाग | 1. पुरा पाषाण काल<br>2. मध्य पाषाण काल<br>3. नव पाषाण काल या उत्तर पाषाण काल | छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे | |
| पुरा पाषाण काल | पुरा पाषाण काल में औजार पत्थरों को तोड़कर बनाये जाते थे और ये औजार के खुरदरे होते थे [illegible] काल के पत्थरों के औजारों को पुरा पाषाण [illegible] | छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे | |

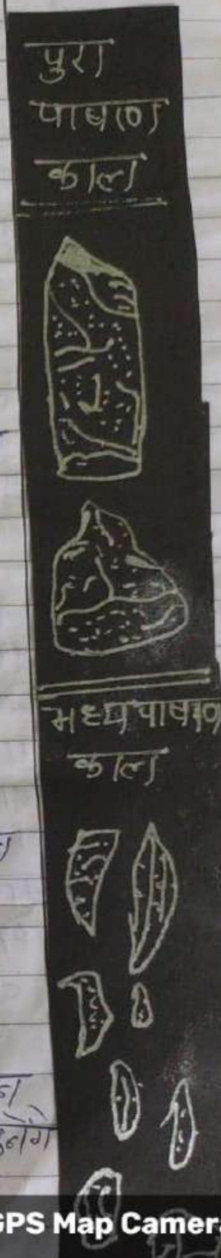


GPS Map Camera
Maa Rewati College of Education, Madhya Pradesh, India
Jantipur Road, Binaika, Madhya Pradesh 481661, India
Lat 22.613614°
Long 80.40062°
28/09/24 04:13 PM GMT +05:30
Google

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

| | | |
|---|---|---|
| | काल के अपेक्षा छोटे बनने लगे तथा पत्थरों को नुकीले बनाये जाने लगे। इस काल में मजबूत पत्थरों का उपयोग किये जाने लगे। औजार को पकड़ने के लिए हत्थे वाले औजार बनाने लगे थे। | |
| नव पाषाण काल | इस काल में छोटे तथा चिकने पत्थरों से औजार बनाने लगे। मजबूत पत्थरों का उपयोग किए जाने लगे। | छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे |
| आग की खोज | पहली बार जब जंगल में सूखी लकड़ियों को आपस में तेज रगड़ होने के कारण आग लग गई। तथा पत्थरों का आपस में टकराकर चिंगारियों को निकलते देखा तब मानव ने ने पत्थरों को आपस में टकराकर आग उत्पन्न की यह मानव की सबसे बड़ी उपलब्धि थी। | छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे |
| पशुपालन एवं कृषि | नव पाषाण काल तक आदिमानव ने पशुपालन और खेती की खोज कर | छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे |

GPS Map Camera

Google

Maa Rewati College of Education, Madhya Pradesh, India
Jantipur Road, Binaika, Madhya Pradesh 481661, India
Lat 22.613614°
Long 80.40062°
28/09/24 04:13 PM GMT +05:30

Principal
Maa Rewati College of Education
Mandla (M.P.)

| | | |
|---|---|---|
| | के साथ साथ पशुपालन भी उनके लिए महत्वपूर्ण है। | |
| | पशुओं से कार्य | छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे |
| | कुत्तो से - शिकार करवाते थे।<br>बैलो से - कृषि खेती<br>गाय - दूध प्राप्त करने के लिए<br>सवारी के लिए घोड़ा ऊंट आदि | |
| पहिए की खोज | आदिमानव के लिए पहिए की आविष्कार से अनेक प्रगति हुई।<br>1. भारी वस्तु को एक स्थान से दूसरे स्थान ले जाने के लिए आसान हुआ।<br>2. पहिए के आविष्कार से मिट्टी के बर्तन बनाने में सहायक सिद्ध हुई। | छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे |

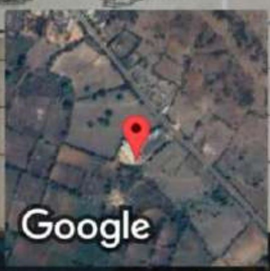


GPS Map Camera
Maa Rewati College of Education, Madhya Pradesh, India
Jantipur Road, Binaika, Madhya Pradesh 481661, India
Lat 22.613614°
Long 80.40062°
28/09/24 04:14 PM GMT +05:30

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

बोध प्रश्न

| क्रमांक | छात्राध्यापक क्रिया | छात्र क्रिया |
|---|---|---|
| 1. | पाषाण काल को कितने भागों में विभाजित किया गया है? | उ०- पाषाण काल को तीन भागों में विभाजित किया गया है। |
| 2. | आग की खोज किस काल में हुआ? | उ०- आग की खोज नव पाषाण काल में हुआ था |
| 3- | आदिमानव सर्वप्रथम कहां निवास करते थे? | उ०- आदि मानव, सर्वप्रथम पेड़ एवं गुफाओं में निवास करते थे। |
| 4. | पुरा पाषाण काल में आदिमानव का भोजन क्या क्या था? | फल - फूल, कच्चा मांस आदि। |
| 5. | पुरा पाषाण काल में आदि मानव का हथियार कैसे थे? | उ०- पुरा पाषाण काल में आदि मानव पत्थरों के हथियार बनाये जाते थे पत्थर बड़े एवं खुरदरे होते थे। |

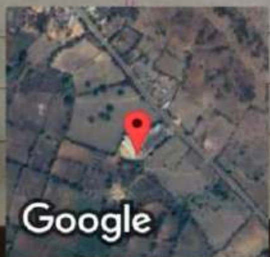


GPS Map Camera

Maa Rewati College of Education, Madhya Pradesh, India
Jantipur Road, Binaika, Madhya Pradesh 481661, India
Lat 22.613614°
Long 80.40062°
28/09/24 04:16 PM GMT +05:30

Principal
Maa Rewati College of Education
Mandla (M.P.)

## पुनरावलोकन प्रश्न

1. आदिमानव किसे कहा जाता है?
2. पहले आदिमानव कहाँ रहते थे?
3. पाषाण युग क्यों कहा गया?
4. आग की खोज कैसे की गई?
5. पहिए की आविष्कार से मानव में कौन कौन सी कार्य करने में आसानी हुई

## कक्षा कार्य

1. पत्थरों के युग को ....... कहा जाता है?
2. पत्थरों को रगड़ने से ..... की खोज हुई?
3. नव पाषाण काल तक आदिमानव ने ..... की खोज कर ली थी।
4. पाषाण काल को तीन भागों में विभाजित किया गया है सत्य / असत्य
5. कृषि एवं पशुपालन किस पाषाण काल से प्रारंभ हुआ?

गृह कार्य (1) आदि मानव के विकास के क्रम की सूची बनाइये?
(2) आदि मानव का अर्थ बताइये

पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर — विषय शिक्षक के हस्ताक्षर — छात्राध्यापक हस्ताक्षर

Principal Govt. H.S. School Man...

GPS Map Camera

Maa Rewati College of Education, Madhya Pradesh, India
Jantipur Road, Binaika, Madhya Pradesh 481661, India
Lat 22.613614°
Long 80.40062°
28/09/24 04:17 PM GMT +05:30

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

# 4) Identifying varied \student Abilities

- Identifying different student abilities.
- The faculty observes the activities performed by each student/teacher and adjusts the activities according to the school's needs.
- Teachers' observation of student teachers during peer teaching.
- To build skills in preparation of audio-visual materials.
- Planning of assessment tools.
- Micro teaching!

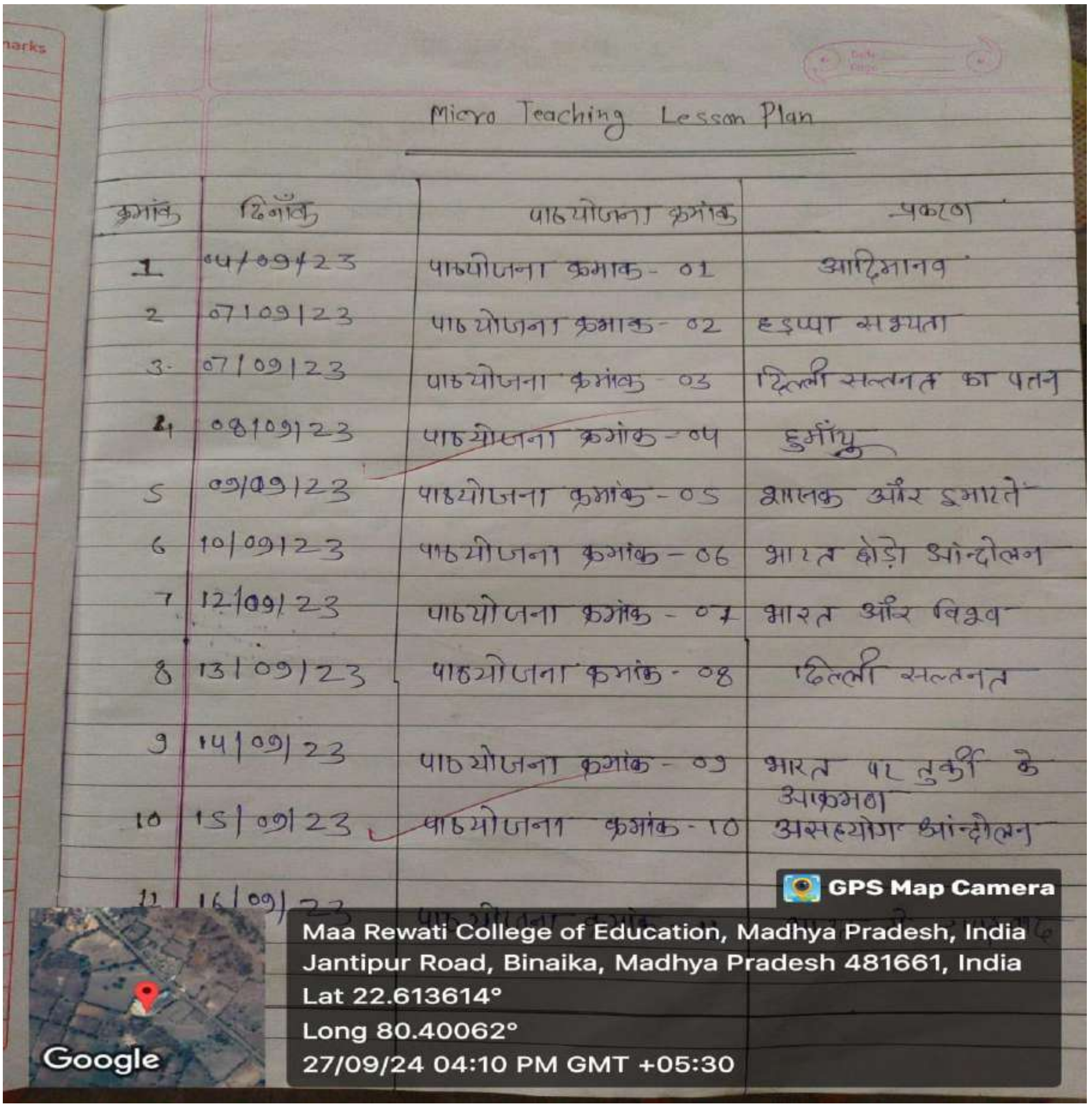

Micro Teaching Lesson Plan

| क्रमांक | दिनांक | पाठयोजना क्रमांक | प्रकरण |
|---|---|---|---|
| 1 | 04/09/23 | पाठयोजना क्रमांक - 01 | आदिमानव |
| 2 | 07/09/23 | पाठयोजना क्रमांक - 02 | हड़प्पा सभ्यता |
| 3 | 07/09/23 | पाठयोजना क्रमांक - 03 | दिल्ली सल्तनत का पतन |
| 4 | 08/09/23 | पाठयोजना क्रमांक - 04 | हुमायूं |
| 5 | 09/09/23 | पाठयोजना क्रमांक - 05 | शासक और इमारतें |
| 6 | 10/09/23 | पाठयोजना क्रमांक - 06 | भारत छोड़ो आन्दोलन |
| 7 | 12/09/23 | पाठयोजना क्रमांक - 07 | भारत और विश्व |
| 8 | 13/09/23 | पाठयोजना क्रमांक - 08 | दिल्ली सल्तनत |
| 9 | 14/09/23 | पाठयोजना क्रमांक - 09 | भारत पर तुर्कों के आक्रमण |
| 10 | 15/09/23 | पाठयोजना क्रमांक - 10 | असहयोग आन्दोलन |
| 11 | 16/09/23 | पाठयोजना क्रमांक [illegible] | [illegible] |



Principal
Maa Rewati College of Education
Mandla (M.P.)

## पाठ योजना क्रमांक - 1

①

छात्राध्यापिका नाम - Lamiya Maravi
दिनांक - 04/07/23
विषय - सा० विज्ञान
प्रकरण :- आदिमानव

कक्षा - 6th
कालखण्ड - IInd
समय - 10 मिनट
वर्ग - ST

### श्यामपट्ट कौशल - 10 मिनट

घटक :-

1 अस्पष्ट अक्षर
2 अनउपर्युक्त अक्षर
3 अक्षरों के मोटाई मे अंतर
4 शब्दों मे अनउपयुक्त दूरी
5 अक्षरों के आकार मे अन्तर
6 अक्षर कक्षा के अंतिम छोर तक पढ़े जा सकते है।
7 अक्षर सीधी पंक्ति मे लिखे गये हो।
8 दो पंक्ति के मध्य अंतराल
9 अनावश्यक बिन्दु।
10 श्यामपट्ट पर ध्यान आकर्षित करने के लिए किया गया कार्य।
11 निरंतरता का अभाव।
12 कार्य संक्षिप्त और स्पष्ट
13 मुख्य शब्दों और बिंदुओं का रेखांकन
14 रंगीन चॉक का प्रयोग
15 चित्र व रेखाचित्र का उपयुक्त प्रयोग।

उद्देश्य कथन :-

बच्चों! आज हम श्यामपट्ट कौशल का प्रयोग करते हुए आदिमानव के बारे मे अध्ययन करेंगे।

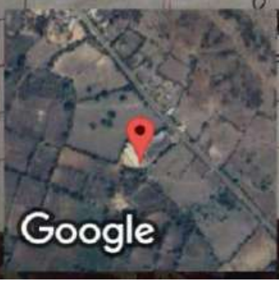


GPS Map Camera
Maa Rewati College of Education, Madhya Pradesh, India
Jantipur Road, Binaika, Madhya Pradesh 481661, India
Lat 22.613614°
Long 80.40062°
27/09/24 04:12 PM GMT +05:30

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

| शिक्षण बिन्दु | छात्राध्यापिका क्रियाएँ | छात्र क्रियाएं | श्यामपट्ट कार्य |
|---|---|---|---|
| आदिमानव का परिचयः- | आधुनिक खोजो से ज्ञात हुआ है कि लाखों वर्ष पूर्व इस पृथ्वी कि लाखों वर्ष इस पृथ्वी पर मानव का अन्य हुआ था। जो चार पैरो पर चलते थे, और जंगल मे निवास करते थे आदि मानव कहलाते है। और कंदमूल फल, कच्चा मॉस आदि खाया करते थे। | छात्र ध्यान पूर्वक सुनेगें। | आदिमानव जो व्यक्ति जंगलो मे निवास करते थे और चार पैरो पर चलते थे। खाद्य पदार्थ- कंदमूल फल, कच्चा मांस इत्यादि। |
| व्यवसायः- | इनका प्रमुख व्यवसाय खेती करना था और शिकार करना पत्थरो के औजार बनाया आदि। इनका प्रमुख व्यवसाय था जिससे थे अपना जीवन यापन करते है। ये फूल पतो से बने वस्त्रो को धारण करते थे और जानवरो की खाल भी पहना करते थे। | छात्र ध्यान पूर्वक सुनेगें। | व्यवसाय - खेती करना मछली पकड़ना जानवरो का शिकार का करना। |
| पाषाण कालः- | जिस स्थान पर पत्थरों का आधुनिक उपयोग होता है, पत्थरो को पाषाण भी कहते है इसलिए इसे पाषाण युग कहा गया है। इसके तीन भागों मे बांटा गया है - (i) पुरा पाषाण काल | | पाषाणकाल के तीन भाग- (1) पुरापाषाण काल |

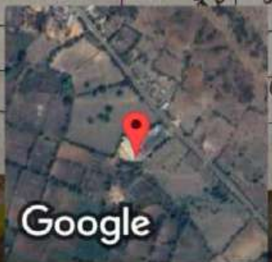

GPS Map Camera
Maa Rewati College of Education, Madhya Pradesh, India
Jantipur Road, Binaika, Madhya Pradesh 481661, India
Lat 22.613614°
Long 80.40062°
27/09/24 04:13 PM GMT +05:30

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

## पर्यवेक्षक अंकसूची - I

| क्रमांक | घटक | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | अस्पष्ट अक्षर | | ' | \| | \| | \| | | | | |
| 2 | अनुउपयुक्त अक्षर | | \| | \| | \| | | | | | |
| 3 | शब्दों में अनउपयुक्त दूरी | \| | \| | | \| | \| | | | | |
| 4 | अक्षरों की मोटाई मे अन्तर | \| | \| | | | \| | \| | | | |
| 5 | अक्षरो के आकार मे अंतर | \| | \| | \| | \| | \| | \| | \| | \| | \| |
| 6 | अक्षर कक्षा के अंतिम छोर तक पढे जा सकते है। | | | | | | | | | |
| 7 | अक्षर सीधी पंक्ति में। | \| | \| | | \| | \| | | | | |
| 8 | अनावश्यक बिंदु | \| | \| | \| | | | | | | |
| 9 | दो पंक्ति के मध्य अंतराल | | | | | | | | | |
| 10 | श्यामपट्ट पर ध्यान आकर्षित करने हेतु कार्य। | \| | \| | | | \| | \| | | | |
| 11 | निरंतरता का अभाव। | | | | | \| | \| | | | |
| 12 | कार्य संक्षिप्त व स्पष्ट। | | | \| | \| | | | | | |
| 13 | मुख्य शब्दो पर रेखांकन। | \| | \| | | | \| | \| | | | |
| 14 | रंगीन चॉक का प्रयोग। | \| | \| | | \| | \| | | | | |
| 15 | चित्र व रेखाचित्र का उपयुक्त प्रयोग। | \| | \| | \| | \| | \| | \| | \| | \| | \| |

## पर्यवेक्षक अंकसूची - II

| क्रमांक | घटक | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | अस्पष्ट अक्षर | 1 | 2 | 3 | 4 | (5) | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| 2 | अनउपयुक्त अक्षर | 1 | 2 | (3) | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |

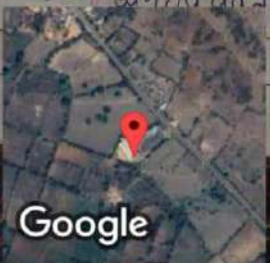



GPS Map Camera
Maa Rewati College of Education, Madhya Pradesh, India
Jantipur Road, Binaika, Madhya Pradesh 481661, India
Lat 22.613614°
Long 80.40062°
27/09/24 04:13 PM GMT +05:30


Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | अक्षरों के आकार में अंतर। | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | (6) | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 6 | अक्षर कक्षा के अंतिम कोने तक पढ़े जा सकते हैं। | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | (10) |
| 7 | अक्षर सीधी पंक्ति में। | 1 | 2 | 3 | 4 | (5) | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 8 | दो पंक्ति के मध्य अंतराल | 1 | 2 | (3) | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 9 | अनावश्यक बिंदु | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | (6) | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 10 | श्यामपट्ट पर ध्यान आकर्षित करने हेतु कार्य। | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | (6) | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 11 | निरंतरता का अभाव। | 1 | 2 | 3 | (4) | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 12 | कार्य संक्षिप्त व स्पष्ट। | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 13 | मुख्य शब्दों पर रेखांकन। | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 14 | रंगीन चौक का प्रयोग। | 1 | 2 | 3 | 4 | (5) | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 15 | चित्र व रेखाचित्र का उपयुक्त प्रयोग। | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | (8) | 9 | 10 |

अन्य बिंदु

| क्रमांक | अन्य बिन्दु | हाँ | नहीं |
|---|---|---|---|
| 1 | पाठ प्रारंभ करने के पूर्व श्यामपट्ट को साफ किया। | ✓ | |
| 2 | पाठोपरांत श्यामपट्ट साफ किया। | ✓ | |
| 3 | कक्षा में छात्रों और श्यामपट्ट के बीच अध्यापक व्यवधान नहीं बना। | ✓ | |
| 4 | चौक से लिखते समय साफ चॉक घिसने की आवाज हुई। | | ✓ |
| 5 | उचित दबाव डालकर चॉक से लिखा गया। | | ✓ |
| 6 | श्यामपट्ट साफ करते समय धूल उड़ती थी। | | ✓ |

GPS Map Camera
Maa Rewati College of Education, Madhya Pradesh, India
Jantipur Road, Binaika, Madhya Pradesh 481661, India
Lat 22.613614°
Long 80.40062°
27/09/24 04:17 PM GMT +05:30

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

टिप्पणी :-

① अक्षरों में स्पष्टता रखी जा सकती थी।

② दृश्य श्रव्य सामग्री का प्रयोग किया जा सकता है।

③ अक्षरों के आकार में और भी सुधार किया जा सकता है।

④ अक्षर सीधी पंक्ति में लिखने का प्रयास करना चाहिए।

| | | |
|---|---|---|
| प्रधानाध्यापक हस्ताक्षर | विषय शिक्षक हस्ताक्षर | छात्राध्यापिका हस्ताक्षर |

Principal Maa Rewati College of Education [illegible] (M.P.)

नोट -> (उत्तम)

GPS Map Camera

Maa Rewati College of Education, Madhya Pradesh, India
Jantipur Road, Binaika, Madhya Pradesh 481661, India
Lat 22.613614°
Long 80.40062°
27/09/24 04:17 PM GMT +05:30

Principal
Maa Rewati College of Education
Mandla (M.P.)

Micro Teaching In Classroom

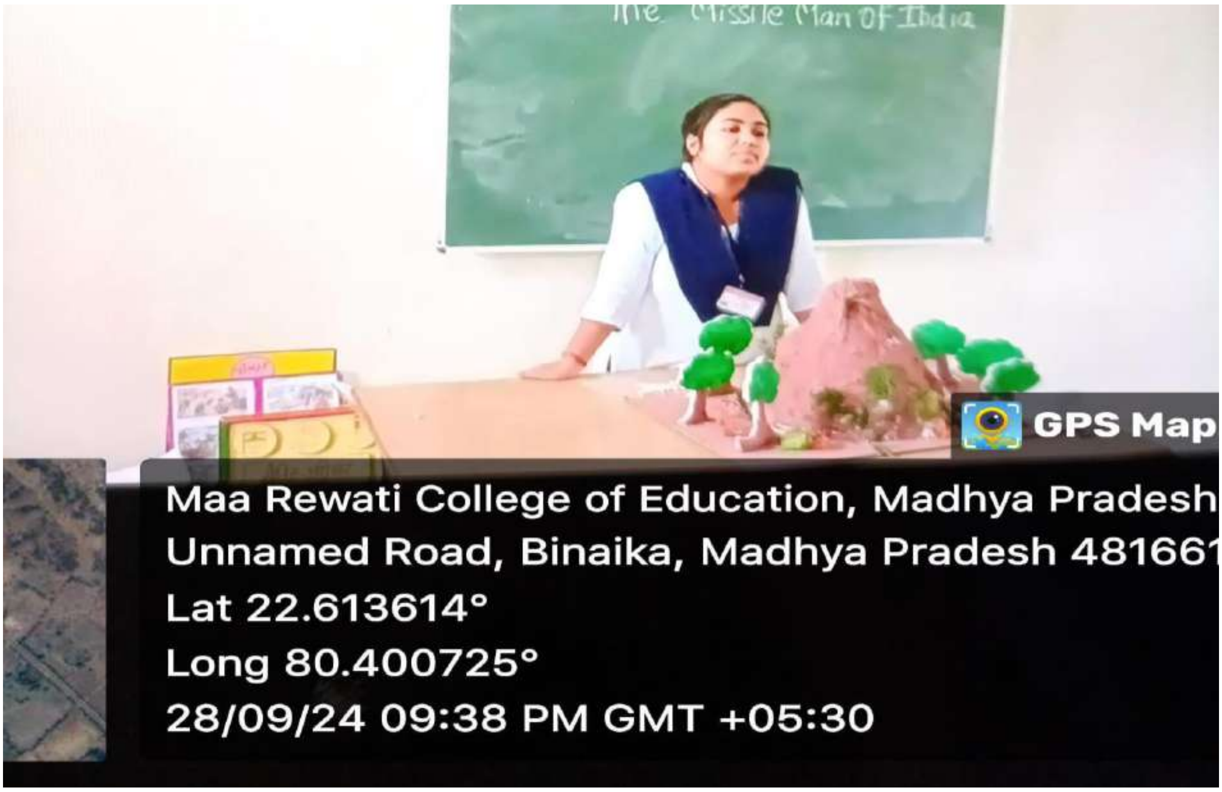

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

## 5. **Dealing with student diversity in classrooms**

Solving the problems of different types of students in each class which is taught to the student teachers under skills, psychology and methodology.
It includes talking to students technically and practically and diagnosing them in order to find solutions to problems like discipline, value deficiencies, behaviour, stress, pain, physical health, emotional balance etc.
That is, diagnostic and therapeutic systems are used in it.
Empowering student teachers through research and organizing remedial classes for slow learners and conducting regular assessment.

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

**Mentor Mentees Activities**

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

## 6. Visualising Differential Learning Activities According to Student Needs

**Visits are organised for our postgraduate student teachers to schools for children with special needs so that the student teachers can design activities in these schools and assist in preparing instructional plans.**

**During internships in different types of schools, information is provided about the resources of the schools and student teachers visit these schools personally and understand the specific needs by interacting with the teachers there. After evaluation, efforts are made to improve them.**

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

# 7. Addressing Inclusiveness

Students are introduced to inclusion through case studies where they are required to observe a student with special needs and solve a problem.

The concept of inclusivity is integrated into the lesson plans as well as language reflection portfolios in the curriculum as well as assignments and projects in the courses.

Principal
Maa Rewati College of Education
Mandla (M.P.)

## 8.Assessing Student Learning

Skills of asking questions, giving revision review assignments, skills of preparing formats for assessing various outcome behaviours both online and offline and skills of preparing blueprints and question papers are determined.

Internal assessment assignments and project work are given to check the progress of the students and to measure their level of progress. Students develop responsibility and self-discipline to upgrade their skills.

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)